Annexure -3

वित्तीय दिशा निर्देश

कार्यक्रम का नाम : एकीकृत्र रोग सर्वेक्षण कार्यक्रम

बजट / एफ०एम०आर० शीर्ष (अनुलग्नक 2के आधार पर): **E**

बजट क्रम संख्या / एफ०एम०आर० संख्या (अनुलग्नक–2 के आधार पर): **5** (बजट के आधार पर)

कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण (5–10 वाक्य अधिकत्तम):

एकीकृत रोग सर्वेक्षण कार्यक्रम (IDSP) देश का एक विकेन्द्रीकृत राज्य आधारित कार्यक्रम है। इसके मुख्य उद्देश्य हैं : विभिन्न रोगों का संक्रमण /उत्पन्न होने के समय ही इनकी पहचान कर इसकी जानकारी प्राप्त करना एवं संबंधित लोगों को इसके प्रति अवगत करना। ऐसा करने से कई रोगों का संक्रमण रोका जा सकता है क्योंकि ससमय संक्रामक रोगों के फैलने की जानकारी मिलने पर संबंधित लोग समाधान कार्य में जुट जाएंगे। इसके अतिरिक्त रोगों के सर्वेक्षण ऑकड़ों को नियमित रूप से संग्रहित करने पर विभिन्न रोगों के नियंत्रण कार्यक्रम द्वारा किए हस्तक्षेप का भी पता चलता रहेगा। ऐसी स्थिति में हम अपने संसाधनों की दिशा एवं दशा भी निर्धारित कर सकते हैं। सार रूप में जिला, राज्य एवं अन्य स्तर पर रोगों के फैलने/उत्पन्न होने की स्थिति में मुस्तैद प्रहरी के रूप में कार्य करता है, विशेष रूप से रोगों के शुरूआती पहचान में एवं रोग संक्रमण के पूर्व सिग्नल (EWS) भेजने के संदर्भ में। अपेक्षा की जाती है कि रोग निवारण कार्यक्रमों से जुड़े विभाग/संस्थान इस आधार पर समाधान के सटीक प्रयास करेंगे।

IDSP की निम्न विशेषताएँ हैं:–

1. जिला स्तर की इकाई को रोग सर्वेक्षण का फोकस बनाया गया है जहां से ऑकड़ों का संग्रहण कर इनका प्रसारण आधुनिकतम सूचना प्रौद्योगिकी सिस्टम द्वारा किया जाता है।
2. बिहार राज्य में 22 रोगों के सर्वेक्षण का कार्य नियमित रूप से किया जाता है, जिसमें 38 जिलों में प्रतिदिन जिला सर्वेक्षण इकाई PHC एवं अन्य स्रोतों से जानकारी प्राप्त करते रहते हैं।

3. जिले स्तर पर प्राप्त ऑकड़ों को साप्ताहिक रूप से IDSP के राष्ट्रीय पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। तदनुसार जिलों में उक्त 22 रोगों के फैलने की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

4. संक्रामक रोगों के उत्पन्न होने/फैलने की (Outbreak) स्थिति में जिले स्तर पर जो ऑकड़े संग्रह किए जाते हैं उनका पुनः confirmation करने के बाद तुरन्त उनको पोर्टल पर अपलोड किया जाता है।

इकाई राशि (रू० में) :

कंडिका (क) **E1-Operational Cost** : फारमेट और रिपोर्ट प्रिंटिंग, समीक्षात्मक बैठक, क्षेत्र भ्रमण एवं कार्यालय संबंधी अन्य खर्चो के लिए प्रत्येक जिले को रूपये 15,000/– प्रति माह की दर से प्रावधान किया गया है।

कंडिका (ख) **E1.5—Lab Consumable** :बजट में रूपये दो लाख का प्रावधान है। जो पटना जिला अन्तर्गत पी0एम0सी0एच0 के लिए अनुमान्य होगा।

कंडिका (ग) **E2 – Human Resources** :

E 2.1–	**Epidemiologists**	:	**30,000/– प्रति माह**
E 3.2–	डाटा मैनेजर	:	**13500/– प्रति माह**
E 3.3–	डाटा इंट्री ऑपरेटर	:	**8500/– प्रति माह**

वित्तीय दिशा निर्देश :

कंडिका (क) में उल्लेखित Operational Cost को खर्च करने की जबावदेही Civil Surgeon के अनुमोदन के उपरांत जिले में ACMO की होगी।

कंडिका (ग) में उल्लेखित जिले में कार्यरत IDSP कर्मीयों के मानदेय का भुगतान जिला स्तर पर Civil Surgeon के अनुमोदन से होगा।

नोट :– जिले में कार्यरत IDSP कर्मी के द्वारा साप्ताहिक प्रतिवेदन (Weekly IDSP Report) DPMU को भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

इस संदर्भ में यदि कोई पत्र पूर्व में प्रेषित किया गया हो (पत्र सं० तिथि के साथ उल्लेखित करें)

(क) (ख) (ग)

संबंधित कार्यक्रम अधिकारी/ सलाहकार का नाम : डा0 ए0 के0 तिवारी

संबंधित कार्यक्रम अधिकारी/ सलाहकार का फोन नंबर : 9470003026

हस्ताक्षर